

निज कबित्त केहि लाग न नीका। सरस होउ अथवा अति फीका।।
जे पर भनिति सुनत हरषाहीं। ते बर पुरुष बहुत जग नाहीं।।

रसीली हो या अत्यन्त फीकी, अपनी कविता किसे अच्छी नहीं लगती? किन्तु जो दूसरे की रचना को सुनकर हर्षित होते हैं, ऐसे उत्तम पुरुष जगत में बहुत नहीं हैं।
—श्रीरामचरितमानस/6

एन.आर.सी.वी.ई.ई. के अध्यक्ष की नियुक्ति

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/4(3)/2025/459531 दिनांक 27.10.2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने प्रो. जेम्स गोम्स (कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल) को 01 नवम्बर, 2025 से दो वर्ष की अवधि के लिए इंजीनियरी में मूल्य शिक्षा का राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (NRCVVE) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है।

स्वागत

स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2025/456602 दिनांक 15.10.2025 के अनुसार प्रो. अनुपमा राजोरिया ने 13.10.2025 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

प्रो. अनुपमा राजोरिया को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित "युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप" भी प्रदान की गई है।

स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/459016 दिनांक 24.10.2025 के अनुसार श्री दविन्दर सिंह कालरा ने 15.10.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-06 में कनिष्ठ हिन्दी अनुवाद

अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से हिन्दी कक्ष में नियुक्त किया गया है।

- स्थापना अनुभाग-II से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/ Estt.-2/2025/459013 दिनांक 24.10.2025 के अनुसार सुश्री पूजा ने 14.10.2025 से संस्थान में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-06 में सहायक अध्यापिका (नर्सरी) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। उन्हें तत्काल प्रभाव से नर्सरी स्कूल में नियुक्त किया गया है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर 31 अक्टूबर, 2025 को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :-

श्री राज कुमार तेजानिया (26278), तकनीकी अधिकारी, वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी विभाग



श्री राज कुमार तेजानिया ने 09.11.1992 को संस्थान में वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.12.2004 में आपको

आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत वरिष्ठ तकनीकी अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। एम.ए.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको 09.11.2012 तथा 09.11.2022 में उन्नयन दिया गया। 13.12.2022 को आपको डी.पी.सी. के अन्तर्गत तकनीकी अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया गया। श्री राज कुमार तेजानिया एक मिलनसार एवं कर्मठ तकनीकी अधिकारी रहे हैं।

संस्थान समुदाय उपरोक्त स्टाफ सदस्यों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके व उनके परिवार के लिए सुख, समृद्धि एवं शांतिमय जीवन की कामना करता है।

आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला "कान देखभाल: बाल चिकित्सा से वृद्धावस्था तक"

आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आई.आई.टी. दिल्ली अस्पताल और अकादमिक आउटरीच कार्यालय "आरोग्य स्वास्थ्य वार्ता शृंखला" के सातवें सत्र का आयोजन कर रहा है। यह सत्र 'कान देखभाल : बाल चिकित्सा से वृद्धावस्था तक' विषय पर एक ज्ञानवर्धक स्वास्थ्य वार्ता है, जिसका उद्देश्य बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी आयु वर्गों में कान के स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह संवादात्मक सत्र निवारक देखभाल, कान की सामान्य समस्याओं और जीवन भर स्वस्थ श्रवण क्षमता बनाए रखने के व्यावहारिक सुझावों पर प्रकाश डालेगा।

वक्ता: डॉ. राकेश कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, ई.एन.टी., एम्स, नई दिल्ली
दिनांक: 12 नवंबर, 2025 (बुधवार)

समय: शाम 04.00 बजे

स्थान: सेमिनार हॉल, आई.आई.टी. दिल्ली

इस सत्र में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निम्न लिंक पर पंजीकरण करें

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScwi8sKrh1QtWyl6flUq_pkCJ7AemUYIMC3QV-cNiqeWn911g/viewform?usp=publish-editor

कंप्यूटर प्रयोक्ता समिति

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या: IITD/AREG/4(16)/2025/444942 दिनांक 10 सितम्बर, 2025 के अनुसार निदेशक महोदय ने वर्ष 2025–26 (01.09.2025 से 31.08.2026) के लिए कम्प्यूटर प्रयोक्ता समिति का निम्नानुसार गठन किया है:—

अध्यक्ष: अध्यक्ष, कम्प्यूटर सेवा केन्द्र (पदेन)

प्रो. स्मृति रंजन सारंगी, कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी

सदस्य: प्रत्येक शैक्षणिक विभाग/ केंद्र/ स्कूल का एक प्रतिनिधि और 10 से अधिक संकाय सदस्यों वाले केंद्र का प्रतिनिधित्व प्रत्येक केंद्र के एक सदस्य द्वारा किया जाएगा तथा अन्य केंद्रों के आधे का प्रतिनिधित्व प्रत्येक वर्ष बारी-बारी से किया जाएगा।

1. अनुप्रयुक्त यांत्रिकी	प्रो. रीताब्रत ठाकुर	26. अमरनाथ एवं शशि खोसला	कोई नामांकन नहीं
2. जैव-रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव-प्रौद्योगिकी	प्रो. अमित दास	सूचना प्रौद्योगिकी	
3. रासायनिक इंजीनियरी	प्रो. गौरव गोयल	27. अन्तर्विद्याशाखायी अनुसंधान स्कूल	प्रो. बिस्वाजीत परीदा
4. रसायन विज्ञान	प्रो. सौमिक सिद्धांत	28. कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल	प्रो. सौरभ राज
5. सिविल इंजीनियरी	प्रो. मनोज एम.	29. सार्वजनिक नीति स्कूल	कोई नामांकन नहीं
6. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. पीयूष शर्मा	कंप्यूटर सेवा केंद्र में संचालन प्रणाली और उपयोगकर्ता सहायता सेवा के तीन प्रभारी	1. सुश्री जया 2. श्री सुदीप नारायणन बनर्जी 3. श्री संभव जैन
7. विद्युत इंजीनियरी	कोई नामांकन नहीं		
8. मानविकी एवं समाज विज्ञान	कोई नामांकन नहीं		
9. प्रबंध अध्ययन	प्रो. अविनाश जैन	छात्र मामले परिषद के चार नामित सदस्य	1. सनी सॉ (2023ME10781)
10. गणित	प्रो. नीरज जोशी		2. अनुज अग्रवाल (2023AM10190)
11. यांत्रिक इंजीनियरी	प्रो. अमित गुप्ता		3. उत्सवी अग्रवाल (2023TT10937)
12. भौतिकी	प्रो. राहुल एस. मराठे		4. सुब्रत कुमार स्वैन (2021QIZ8247)
13. वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी	कोई नामांकन नहीं		
14. डिजाइन	कोई नामांकन नहीं		
15. पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. एन.एस. हर्षा गुंडा	अध्यक्ष, परामर्श सेवा (पदेन)	सह संकायाध्यक्ष (छात्र कल्याण)
16. ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी	प्रो. अरिहन्त भण्डारी		
17. वायुमण्डलीय विज्ञान	प्रो. सर्वेश के. दुबे	सदस्य—सचिव, अध्यक्ष	श्री गोपाल कृष्णन, सी.एस.सी.
18. जैव चिकित्सा इंजीनियरी	प्रो. आयुष कांत	सी.एस.सी. या उनके नामिती	
19. कम्प्यूटर सेवा केन्द्र	श्री सुदीप नारायण बनर्जी		
20. केयर	प्रो. आकाश अरोड़ा	संदर्भ की शर्तें	
21. ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी	प्रो. काव्या दशोरा	कंप्यूटर उपयोगकर्ता समिति (सी.यू.सी.) केंद्रीय आई.टी. अवसंरचना, प्रणालियों एवं सेवाओं तथा नेटवर्क अवसंरचना के उपयोग से संबंधित संस्थान उपयोगकर्ताओं की पहुँच नीतियों की समीक्षा और अनुशंसा करती है। अंतिम उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं के आधार पर समिति छात्रों, संकाय और कर्मचारियों, जिनमें परिसर और दूरस्थ स्थानों पर संविदात्मक और अस्थायी कर्मचारी शामिल हैं, के लिए उपयुक्त हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर पहुँच नीतियाँ सुनिश्चित करने के लिए नीतियों को अपनाती / संशोधित करती है।	
22. कार्ट	कोई नामांकन नहीं		
23. संवेदक उपकरणिकरण और साइबर भौतिक तंत्र इंजीनियरी केन्द्र (SeNSE)	प्रो. शाहिद मलिक		
24. ट्रिप	कोई नामांकन नहीं		
25. प्रकाशिकी एवं फोटोनिक्स	कोई नामांकन नहीं		

वैश्विक प्रतिद्वंद्विता: ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि दुनिया में एआइ इको-सिस्टम का इंजन बने हमारा देश। अलग तरह की एआइ शक्ति बन सकता है भारत

बिना ओपनएआइ जैसे मॉडल बनाए भारत अग्रणी देश बन सकता है। जहां अमरीका इस तकनीक को व्यवसाय के अवसर के रूप में और चीन उसे नियंत्रण के साधन के रूप में देख रहा है, वहीं भारत की दृष्टि अलग है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में वैश्विक दबदबे की दौड़ चल रही है जिससे हम सब परिचित हैं। यह भी एक तथ्य है कि फिलहाल अमरीका और चीन इस होड़ में सबसे आगे हैं। तीसरा स्थान अभी खाली है और इसे हासिल करने के लिए यूरोप के साथ-साथ भारत भी जीतोड़ कोशिश कर रहा है। हालांकि अपने तीनों प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में हमारी कुछ सीमाएं हैं— एक ऐसा देश होने के नाते जो लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर चलता है और जिसके लिए अपनी बहुत बड़ी आबादी को साथ लेकर चलना एक अनिवार्यता है। लेकिन हमारी कुछ मजबूतियां भी हैं जो अन्य क्षेत्रों के साथ साथ हमें आधुनिक प्रौद्योगिकी में भी सशक्त दावेदार बनाती हैं। क्या भारत एआइ के क्षेत्र में वैश्विक दबदबा कायम कर सकता है? यह सवाल बहुत से भारतीयों के मन में है। हमारे स्टार्टअप इको-सिस्टम, सरकार के फोकस, सेमीकंडक्टरों के क्षेत्र में ठोस पहल, वैश्विक एआइ कंपनियों में भारतीयों की मजबूत स्थिति और आइटी में भारत की पारंपरिक बढ़त कुछ ऐसे पहलू हैं जो हमारे लिए उम्मीद पैदा करते हैं।

नंबर वन की दौड़ में पड़ने की बजाय भारत के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि वह दुनिया में एआइ इको-सिस्टम का इंजन बने। वह बहुत सारे तरीकों से इस तकनीक के विकास, प्रयोग, मैनेजमेंट की ताकत बने। हालांकि हम भी अपने एआइ मॉडल बना रहे हैं लेकिन उनका प्रधान मकसद अपने आपको विदेशी मॉडलों पर निर्भरता से मुक्त करना है। हम इन मॉडलों को ओपनएआइ, गूगल, क्लॉड, मेटा आदि के लोकप्रिय जनरेटिव एआइ मॉडलों के मुकाबले किसी किस्म की प्रतिद्वंद्विता में उतारेंगे, ऐसा नहीं लगता। लेकिन हां, हम दूसरों की एआइ पर इतने निर्भर न हो जाएं कि अगर किसी आड़े वक्त पर इन्होंने अपना हाथ खींच लिया तो हम अधर में लटक जाएं, यही हमारी फौरी रणनीति है। पिछले दिनों अमरीकी पत्रिका 'द इकनॉमिस्ट' ने लिखा है कि भले ही भारत

अमरीका और चीन जैसी एआइ-ताकत न बने लेकिन वह 'एक अलग तरह की वैश्विक एआइ शक्ति' बन सकता है। इसकी नजर में, भारत इन दोनों देशों से अलग रास्ता लेते हुए भी एक विजेता बन सकता है और वह रास्ता है एआइ की मदद से खुद अपना, अपने कारोबार, गवर्नेंस, सेवाओं, शिक्षा, रोजगार, नवाचार आदि का कायाकल्प में करने का। सरकार और उद्योग के प्रयासों के साथ-साथ, इसका एक बड़ा कारक है भारत के लोगों का सकारात्मक और उत्साहपूर्ण रवैया अपने तथा अपने देश के भविष्य के प्रति और एआइ जैसी नई तकनीकों के प्रति।

वास्तव में भारत का आम आदमी, विशेषकर युवा, एआइ में मौजूद संभावनाओं के प्रति खुला रवैया दिखा रहा है। एक विकासशील देश होने के नाते, शायद दुनिया के बहुत से देशों के लिए यह अविश्वसनीय है जो भारत में एआइ के पक्ष में चल रहे अंडरकरंट से वाकिफ नहीं है। लेकिन जो आंकड़े आ रहे हैं, वे देश में भीतर ही भीतर चल रही एक अंतरधारा की तरफ इशारा करते हैं। अगर यह सिलसिला चलता रहा तो भारत एआइ से लाभ उठाने वाले देशों में अग्रणी बन सकता है, बिना ओपनएआइ तथा गूगल जैसे महाशक्तिशाली एआइ मॉडल बनाए। जहां अमरीका इस तकनीक को व्यवसाय के अवसर के रूप में और चीन उसे नियंत्रण के साधन के रूप में देख रहा है, वहीं भारत की दृष्टि अलग है। जहां अमरीका अपनी पूंजी और सिलिकॉन वैली की नवाचार संस्कृति के बल पर इस क्षेत्र में आगे है, वहीं चीन सेंट्रलाइज्ड डेटा और विशाल सरकारी समर्थन के साथ आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत एक 'तीसरी राह' तलाश रहा है—ऐसी शक्ति बनना, जो तकनीकी विकास को केवल बाजार या नियंत्रण का उपकरण न माने, बल्कि उसे सामाजिक बदलाव और 'सबका साथ' (समावेशन) का साधन बनाए। आंकड़े बताते हैं कि देश ने इस नवीनतम तकनीक को किस तरह अपना लिया है। ओपनएआइ का चैटजीपीटी के लिए भारत दूसरा सबसे बड़ा बाजार है जबकि एंथ्रोपिक जैसे कई

नए एआइ प्लेटफॉर्म भी यहीं पर सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहे हैं। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के ताजा अध्ययन के अनुसार, दफ्तरों में काम करने वाले 92% भारतीय कर्मचारी रोजाना एआइ टूल्स का इस्तेमाल करते हैं। अमरीका में यही आंकड़ा 64% है। केवल उत्सुकता के आधार पर इतनी बड़ी बढ़त अर्जित नहीं की जा सकती। यह लोगों के मानस में बदलाव की झलक देती है जो सुखद है तो तार्किक भी है क्योंकि भारत की आबादी में युवा बहुसंख्यक हैं। युवा, जिन्हें आप डिजिटल नेटिव्स भी कह सकते हैं, तकनीक से डरते नहीं हैं बल्कि उसकी तरफ आकर्षित होते हैं। वे प्रयोगधर्मी हैं और जोखिम लेने से झिझकते नहीं। प्यूरिसर्च के एक सर्वे के मुताबिक, 70% भारतीय एआइ को संभावनाओं से भरपूर मानते हैं। इंफोसिस के सह-संस्थापक और 'आधार' के शिल्पकार, नंदन नीलेकणी ने हाल ही कहा कि 'भारत को एआइ से डर नहीं है, बल्कि उसे अपनाने का विश्वास है क्योंकि डिजिटल तकनीक ने यहां समावेशन में हाथ बंटाय़ा है।'

भारत को अब जरूरत है तेज रफ्तार से अमल करने की। वर्ष 2027 तक भारत में एआइ क्षेत्र में करीब 25 लाख नई नौकरियां पैदा हो सकती हैं। इस साल देश में एआइ का बाजार आठ हजार करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। ये दोनों तथ्य अपनी जगह हैं। लेकिन सफलता का असली पैमाना लोगों के जीवन में बदलाव का होगा। अगर बिहार का किसान एआइ से मिली सूचनाओं के जरिए 15% अधिक पैदावार पाए, ओडिशा का बच्चा स्थानीय भाषा में ऑनलाइन ट्यूटर से पढ़कर परीक्षा पास करे, और राजस्थान की महिला समय पर एआइ-आधारित स्वास्थ्य जांच करवाकर संभावित बीमारी को टाल सके, तो वही असली कायाकल्प है। तकनीक की सफलता तभी है जब वह जिंदगियां बदले, न कि केवल मुनाफा बढ़ाए।

—बालेन्दु शर्मा 'दाधीच'

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY DELHI

प्रशासनिक अधिकारियों के दैनिक सरकारी कामकाज में सामान्य व्यवहार में प्रयुक्त होने वाली संक्षिप्त आदेशात्मक टिप्पणियाँ
(Brief important notings being used by Administrative Officers in their daily routine official work)

अंग्रेजी	हिन्दी
Action may be taken as proposed.	यथाप्रस्तावित कार्रवाई की जाए।
All concerned should note carefully.	सभी संबंधित व्यक्ति इसे ध्यान से नोट कर लें।
Application is rejected.	प्रार्थना-पत्र अस्वीकृत किया जाता है।
Approved.	अनुमोदित।
Approved as a very special case. This should not, however be Quoted as a precedent.	एक विशेष मामला मानते हुए अनुमोदित किया जाता है, किन्तु आगे उदाहरण के रूप में इसका उल्लेख न किया जाए।
Wait further report.	आगे और विवरण की प्रतीक्षा कीजिए।
Await reply.	उत्तर की प्रतीक्षा करें।
Do the needful.	आवश्यक कार्रवाई करें।
Draft is concurred in.	प्रारूप पर सहमति दी जा रही है।
Draft may not be issued.	अब प्रारूप जारी करने की आवश्यकता नहीं है।
Draft reply on the lines suggested above may be Put up.	उपरोक्त सुझावों के आधार पर उत्तर का मसौदा तैयार कीजिए।
Enquire into the case and report early.	मामले की जांच करें और शीघ्र रिपोर्ट दें।
Enquiry be completed and its report submitted at an Early date.	जांच पूरी की जाए और रिपोर्ट जल्दी प्रस्तुत की जाए।
Explanation may be called for.	स्पष्टीकरण मांगा जाए।
Fix a date for meeting.	बैठक के लिए तारीख नियत करें।
Give top priority to this work.	इस कार्य को परम अग्रता दें।
I agree.	मैं सहमत हूँ।

अंग्रेजी	हिन्दी
I agree with 'A' above.	मैं उपर्युक्त 'क' से सहमत हूँ।
I disagree.	मैं सहमत नहीं हूँ।
I fully agree with office note	मैं कार्यालय की टिप्पणी से पूर्णतया सहमत हूँ।
Inform accordingly.	तदनुसार सूचित किया जाए।
Issue as amended.	यथासंशोधित जारी किया जाए।
Issue reminder urgently.	तुरन्त अनुस्मारक भेजिए।
Issue today.	आज ही भेज दिया जाए।
Issue warning.	चेतावनी दी जाए।
Kindly see it for approval.	कृपया इसे अनुमोदन के लिए देखें।
May file.	फाईल कर दिया जाए।
No assurance in the matter can be given at this stage.	इस मामले में इस समय कोई आश्वासन नहीं दिया जा सकता है।
Order may be issued.	आदेश जारी कर दिया जाए।
Office may note it carefully.	कार्यालय इसे सावधानी से नोट कर लें।
Permitted.	अनुमति दी जाती है।
Please circulate and file.	कृपया सभी को दिखाकर फाइल कर दें।
Please discuss.	आकर चर्चा कर लें।
Please fleg the relevent papers.	कृपया संगत कागजातों पर पर्चियाँ लगा दें।
Please issue necessary notification.	कृपया आवश्यक अधिसूचना जारी करें।
Please make a special note of this Decision.	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट करें।
Please prepare a precis of the case.	कृपया मामले की संक्षेपिका तैयार करें।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाष: EPABX 7144